



ईदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

# मृदुभाषी

सच्ची खबरें, सलीके के साथ

**03**  
पति की  
सलामती के  
लिए सांप  
से भिड़ गई  
महिला



इंदौर, शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 44, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रुपए

## 9 हजार रुपये से ज्यादा गिरे दाम, सोना भी सस्ता

## મૃદુભાષી । નई દિલ્લી



लूथीहारों और शादी-ब्याह के इस सीजन में सोना और चांदी खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए राहत भी खबर सामने आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अंकड़ों के मुताबिक, सरफा बाजार में चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। एक ही दिन में एक किलोग्राम चांदी के भाव 9,134 रुपयेयें घटकर 1.81 लाख रुपये पर आ गए हैं, जबकि गुरुवार को इसका भाव 1.90 लाख रुपये प्रति किलोग्राम था। चांदी के साथ-साथ सोने के तेवर भी नरम पड़े हैं और 24 कैरेट सोना 2,201 रुपये गिरकर 1.41 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है।

गौरतलब है कि इस पूरे महीने के दौरान कीमती धातुओं के दामों में भारी नरमी देखने को मिली है। अक्टूबर महीने में चांदी कुल 39,485 रुपये प्रति किलो तक सस्ती हो चुकी है, जबकि सोना 3,084 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट चुका है। इससे पहले 1 अक्टूबर 2026 को चांदी का भाव 2.20 लाख रुपये प्रति किलो और सोने का भाव 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया था। तबसे लगातार मंदी जारी है।

## खरीदारों को क्या करना चाहिए?

**कमोडिटी** एकसपट अजय केडिया के अनुसार, ग्राहकों और निवेशकों को ऐसे समय में एक साथ पूरा पैसा लगाने की बजाय विक्रेता (SIP मोड) में खरीदारी करनी चाहिए। खरीदकर कुछ हिस्सा अभी खरीद सकते हैं और बाकी खरीदारी 15 से 20 दिनों के अंतराल पर कर सकते हैं। साथ ही, अगर निवेश के मकसद से सोना-चांदी खरीद रहे हैं, तो short-term की बजाय कम से कम 6 महीने से एक साथ तक का नज्जिया रखकर ही बाजार में प्रवेश करें।

# मोदी के बाद मोहन भरेंगे कर्मचारियों की झोली

## प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनर्स को मिला दिवाली का तोहफा, डीए और डीआर में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मृदुभाषी। भोपाल

त्यूहलरी सीजन के बीच केंद्र सरकारी के वलद अव मध्य प्रेशर की रलज्म सरकारी में भी प्रदेश के ललखों कर्मचलरलरल और अधलकलरलरल की ड़ोलै भीर दी है। मुख्मन्त्री को मोहन यलदव ने शुकुवर को सोशल मीडलर के जरुर एक् बड़ी घोषणल करते हुए सरकारी कर्मचलरलरल के महलंगई भत्ते (DA) में 2 प्रतिशत की वुद्धि कल ऐललन कलरल है। इस्के सलथ ही प्रदेश के पेशनलरल को भी महलंगई रहलत (DR) में 2 प्रतिशत की बढ़ोलरी की सोगलत दी गई है, जलससे रलज्म के ललखों परलवलरल में खुशी की लहर दौड गईरल।



जनवरी 2026 से लागू होगा  
बढ़ा डीए: कर्मचारियों और  
अधिकारियों के लिए 2 प्रतिशत  
की यह वृद्धि जनवरी 2026 से  
प्रभावी होगी, जिससे उनका कुल  
डीए 58 प्रतिशत से बढ़कर 60  
प्रतिशत हो जाएगा।  
अक्टूबर के वेतन से नकद  
लाभ: नवंबर माह में मिलने वाले  
अक्टूबर महीने के वेतन के साथ

ही कर्मचारियों को इस बड़े हुए महंगाई भत्ते का नकद भुगतान मिलना शुरू हो जाएगा।  
**9 महीने के एरियर का 3 किस्तों में भुगतान:** जनवरी 2026 से सितंबर 2026 तक के बकाया (एरियर) 9 महीनों के भुगतान के लिए राज्य सरकार ने इसे तीन समान मासिक किस्तों में देने का निर्णय लिया है।

बीते गुरुवार को केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के डीए में 3 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 63 प्रतिशत कर दिया था। इसके तुरंत बाद डॉ. मोहन यादव सरकार ने भी राज्य के कर्मचारियों को राहत देते हुए डीए बढ़ाने का फैसला लिया। हालांकि, इस वृद्धि के बाद भी केंद्रीय कर्मचारियों और राज्य कर्मचारियों के भत्ते के बीच 3 प्रतिशत का अंतर बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने अधिकारियों कर्मचारियों और पेंशनर्स के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनके कल्याण के लिए हमेशा तत्पर खड़ी है।

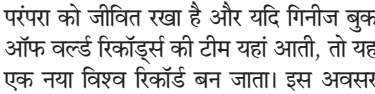
# फ्रेंच नेवी के राफेल की INS विक्रान्त पर लैंडिंग

नई दिल्ली। राफेल मरीन (राफेल-M) फाइटर जेट ने 29 अक्टूबर को INS विक्रान्त पर पहली कोशिश में सफल लैंडिंग की। INS विक्रान्त भारतीय नौसेना का स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर है।

यह राफेल मरीन फ्रेंच नेवी का लड़ाकू विमान है। इसे फ्रेंच पायलट उड़ा रहे थे। इन ट्रायल्स से भारतीय नौसेना में राफेल मरीन विमान को ऑपरेशनल बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। भारत को अभी तक राफेल मरीन मिला नहीं है। समुद्र में जंगी

जहाज से लड़ाकू विमान उड़ाना और उसकी जहाज पर लैंडिंग, सामान्य विमान उड़ाने के मुकाबले बहुत असली है। रफेल मरीन के मामले में अलग चुनौती यही थी कि फ्रांस के लिए तैयार इस विमान को भारतीय जीपी जहाज की तकनीक के अनुकूल बनाया जा सकता है या नहीं। जीपी जहाज से फाइटर प्लेन उड़ाने की दो तकनीकें होती हैं, CATOBAR और STOBAR टेक्नीक। इसमें विमान को उड़ान भरने केटाप्लेट यांनी एक शक्तिशाली लॉन्च सिस्टम की मदद मिलती है।

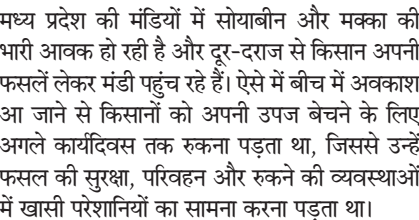
## पीएम मोदी का विपक्षी नेताओं पर तंज: बोले-बनासकांठा के लोग आलू से सोना बना रहे



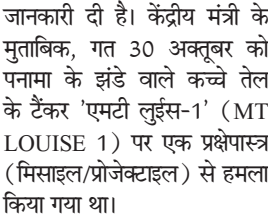
पार प्रधानमंत्री ने पीएम-किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी की, जिसके तहत देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के खातों में 18,69,90 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि सीधे हस्तांतरित की गई। इसमें गुजरात के 50 लाख से अधिक किसानों को 1,00,00 करोड़ रुपये और अकेले ब्रिक्साकांड के किसानों को 50 करोड़ रुपये का लाभ मिला है। इसके साथ ही उन्होंने 14,00,00 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया और दो नई ट्रेने सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

## 29 भारतीय नाविक सुरक्षित

# होमुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमला



ने अवकाश के जारी रखने के दो स्थानीय मंडी ऐसी व्यवस्था बनाए रखने के लक्ष्य से खुली है कि किसी स्कावट के कि इन् दिनों मध्य प्रदेश की मंडियों में सोयाबीन और मक्का की भारी आकष हो रही है और दूर-दरास में किसान अपनी फसलें लेकर मंडी पहुँच रहे हैं। ऐसे में बीच में किसान आ जाते हैं किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए आले कार्यदिसत तक रुकना पड़ता था, जिससे उन्हें फसल की सुरक्षा, परिवहन और रुकने की व्यवस्थाओं में ख़ासी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।



नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में दो तेल नौकाओं को गिराना बनाए जाने की बड़ी धतरा सामने आई है। राहत की बात यह है कि इन दोनों जहाजों पर कुल 29 भारतीय नाविक सवार थे, और वे सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं, तथा किसी के भी हाताहत या घायल होने की कोई खबर नहीं है।  
केंद्रीय पतन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री साबित सोनोवाल ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक

## मिली कैबिनेट की मंजूरी

उत्तर प्रदेश में बनेगा देश का  
पहला एक्सप्रेस-वे कॉरिडोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे का नेटवर्क अब अलग-अलग हिस्सों में बंटा नहीं रहेगा, बल्कि एक-दूसरे से जुड़कर एक विशाल एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का रूप लेगा। राज्य सरकार ने प्रदेश में चार नए लिंक एक्सप्रेसवे

के निर्माण को कैबिनेट की मंजूरी दे दी है, जिससे इस महत्वाकांक्षी परियोजना का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। करीब 322 किलोमीटर लंबे इन चार नए लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण पर 17,542 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

# भारत ने बनाया सबसे तेजी से गरीबी खत्म करने का रिकॉर्ड

मृदुभाषी। नई दिल्ली

भारत ने दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी खत्म करने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्ल्ड बैंक (विश्व बैंक) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2011 से 2023 के बीच देश में रिकॉर्ड 49.6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। इस अवधि के दौरान भारत में अत्यधिक गरीबी दर 27.1 प्रतिशत से घटकर मजबूत 2.6 प्रतिशत रह गई है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 400 रुपये (4.20 डॉलर) से कम कमाने वाले

लोगों की तादाद भी 57.7 प्रतिशत से गिरकर अब सिर्फ 16.1 प्रतिशत पर आ गई है, जिसके साल 2028 तक और घटकर 12.1 प्रतिशत पर आ जाने का अनुमान जताया गया है। प्रीबी में आई इस ऐतिहासिक गिरावट के पीछे आम लोगों की बढ़ी कमाई और खर्च करने की क्षमता, सरकारी योजनाओं और रोजगार के अवसरों को मुख्य कारण माना गया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच देश में लगभग 13.4 करोड़ नए काम के मौके बने, जिसका सबसे ज्यादा फायदा ग्रामीण महिलाओं को मिला और वे पहली बार कमाई वाले कामों

से जुड़ी। इसके साथ ही सरकार द्वारा दिए जाने वाले मुक्त राशन और सीधे बड़े खातों में आर्थिक मदद पहुंचाने वाली योजनाओं ने गरीब परिवारों को बड़ा संबल दिया। पैसों की कमाई के अलावा रहन-सहन और सुविधाओं के स्तर में भी काफी सुधार आया है। ऑक्सफोर्ड और विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार रसोई मकान, बिजली, साफ पानी, शौचालय और रसोई गैस जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहने वाली आबादी, जो वर्ष 2005-06 में 53.8 प्रतिशत थी, वह 2022-23 तक थककर पानी 15.5 प्रतिशत रह गई है।





कुमुद संस्कार शाला में

'मातृ-पितृ चरण वंदन महोत्सव' 1 नवंबर को



मृदुभाषी। इंदौर

आज के आधुनिक युग में मोबाइल और पढ़ाई की व्यस्तता के बीच बच्चों और माता-पिता के बीच बढ़ती दूरियों को पाटने के लिए इंदौर में एक अनूठा आयोजन होने जा रहा है। कुमुद संस्कार शाला के तत्वावधान में रविवार, 1 नवंबर 2026 को दोपहर 1.30 बजे से एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका में विशाल 'मातृ-पितृ चरण वंदन महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा।

आयोजकों का मानना है कि स्कूल में उच्च अंक लाने वाले बच्चे आज कई बार संस्कारों में पीछे छूट जाते हैं, ऐसे में यह महोत्सव बच्चों को उनके माता-पिता के त्याग और चरणों की महत्ता का अहसास कराने का

एक भावनात्मक माध्यम बनेगा। कार्यक्रम के दौरान कई प्रमुख और हृदयस्पर्शी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें बच्चे अपने हाथों से माता-पिता के बीच बहती दूरियों को पाटने के चरण धोएंगे (पाद प्रक्षालन), उनके चरणों में मस्तक रखकर आशीर्वाद लेंगे (चरण वंदन), अपने माता-पिता के लिए संकल्प पत्र पढ़ेंगे तथा संतों द्वारा माता-पिता का सम्मान किया जाएगा। इस आयोजन में महावीर भवन ट्रस्ट और महावीर जैन स्वाध्याय शाला के पदाधिकारियों सहित शिविर के प्रायोजक महेंद्र गणगीर जैन ने इंदौर की जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है, ताकि बच्चों में भारतीय संस्कृति और माता-पिता के प्रति सम्मान की भावना को और प्रगाढ़ किया जा सके।

महंगाई भत्ते और राहत में अंतर पर बढ़ा विवाद

मृदुभाषी। भोपाल

मध्य प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते (DR) तथा महंगाई राहत (DA) की दरों और प्रभावी तारीखों में अंतर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने राज्य सरकार के उस निर्णय पर कड़ी आपत्ति जताई है, जिसके तहत कर्मचारियों को 1 जनवरी 2026 से दो प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने का फैसला लिया गया है, जबकि पेंशनरों को 2 प्रतिशत महंगाई राहत देने के लिए 1 जुलाई 2026 की तारीख तय की गई है। एसोसिएशन ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14 में प्रदत्त समानता के अधिकार के विपरीत बताते हुए मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र भेजकर आदेश में संशोधन की मांग की है।

संगठन की मुख्य मांग है कि पेंशनरों को भी कर्मचारियों की भांति 1 जनवरी 2026 से ही 2 प्रतिशत महंगाई राहत दी जाए और इसके साथ ही 1 जुलाई 2026 से 3 प्रतिशत की अतिरिक्त

वृद्धि का आदेश भी जारी किया जाए। एसोसिएशन का तर्क है कि पेंशनरों को भी अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए उसी खुले बाजार और महंगाई का सामना करना पड़ता है, जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रभावित होते हैं, इसलिए महंगाई राहत की प्रभावी तारीख और वृद्धि में किसी भी तरह के अंतर का कोई औचित्य नहीं बनता है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने कहा कि कर्मचारियों से अलग राशि तय करना समानता के स्थापित सिद्धांतों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इस मामले में संगठन ने अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले 'डीएस नाकरा बनाम भारत संघ (1982)' का भी हवाला दिया है। वहीं, संगठन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी का कहना है कि सरकार को इस न्यायिक फैसले में प्रतिपादित पेंशनरों के कल्याण और समानता से जुड़े महत्वपूर्ण सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए अपने इस आदेश में तुरंत संशोधन करना चाहिए।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर

102 मेधावी विद्यार्थियों को मिलेंगे एक-एक लाख

मृदुभाषी। भोपाल

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के 102 मेधावी विद्यार्थियों को एक-एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव एक नवंबर को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में राजधानी के चयनित विद्यार्थियों को अपने हाथों से सम्मानित करेंगे। भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना के तहत विद्यालय स्तर के 51 और महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर के 51 विद्यार्थियों का चयन किया गया है, जिनका फैसला पूरी पारदर्शिता के साथ लॉटरी सिस्टम के माध्यम से हुआ है। भोपाल के अलावा अन्य जिलों में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय स्थापना दिवस समारोहों में भी इन पुरस्कारों का वितरण किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति के लिए प्रदेशभर से विभिन्न जिलों के विद्यार्थियों को विजेता घोषित किया गया है, जिनमें आगर मालवा से देवांश कुशावह, अशोकनगर से महिषा सेन और लोकेश लोधी, बालाघाट से गिरिश पारधी, बड़वानी से रयान खान और राज वर्मा, बैतुल से कमलेश सालामे, भिंड से राधा,

भोपाल से अक्षरा गोस्वामी और प्रीतम मंडलेकर, बुरहानपुर से गोपाल चौहान और देव तिवारी, छतरपुर से करण कुमार अहिरवार, दमोह से लकी कुर्मी, दतिया से रिया कौरव, देवास से अनुष्का प्रजापति, धार से दुर्गाेश बर्वे और राम मेड़्रा, गुना से जानकी लोधा और पूर्ति गड़वी, ग्वालियर से शिवांश पखारिया, झाबुआ से अजय नायक और लोकेश मैड्रा, कटनी से श्यामू सिंह, खंडवा से कुलदीप सिंह मौर्य और अनिरुद्ध सरमंडल, खरगोन से रश्मि अक्कल तथा मंदसौर से प्रिंस सागर साकेस शामिल हैं। इसके साथ ही नर्मदापुरम से अल्ह शाह, नीतिन पाल और अक्शा शाह, नीमच से आदित्यराज सिंह, निवाड़ी से मिथुन केवट, रत्नाम से पुष्कर बोरिया, रीवा से मानशी सिंह, सागर से महादेव सूर्यवंशी और विशाल अहिरवार, सतना से प्रबल गौतम, सिवनी से नपेश डहरवाल, शहडोल से सताक्षी शुक्ला, शाजापुर से साथी आडवाणी, शम्शेरपुर से समीर चौरसिया, श्याम सारस्वत और अभिमान गुर्जर, सिंगरीली से अजय कुमार सिंह, अरविंद कुमार पाल और अभिषेक तिवारी, उमरिया से कुलदीप तुर्क, वरुण विश्वकर्मा और सानिया बी तथा विदिशा से गौरव अहिरवार इस योजना के तहत विजेता बने हैं।

सीधी जिले में भीषण सड़क हादसा: बस और कार की आमने-सामने की टक्कर में महिला समेत 3 की मौत

मृदुभाषी। सीधी

जिले के चुरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरपुर के बेहड़ा मोड़ के पास शुक्रवार को तेज रफ्तार वैष्णवी बस और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई, जिससे कार सवार एक महिला और दो पुरुषों की मौत हो गई, जबकि पांच साल की एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, कार में चार लोग सवार होकर सीधी की ओर से रामपुर नैकिन जा रहे थे, जबकि वैष्णवी बस रामपुर नैकिन से सीधी की तरफ आ रही थी, तभी अमरपुर

के बेहड़ा मोड़ के पास दोनों वाहनों में आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शी विनय मिश्रा, निवासी कुआँ ने घटना की सूचना पुलिस की डायल 112 सेवा और एंबुलेंस को दी, जिसके बाद टीम तुरंत मौके पर पहुंची। चुरहट अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर अनूप सिंह के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान अनिल तिवारी, मनोरमा तिवारी और सुधीर तिवारी के रूप में हुई है, जबकि घायल पांच साल की बच्ची अपना नाम रानी तिवारी बता रही है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।



साइबर अटैक के खतरे के बीच एक्शन में सरकार

प्रदेश में 130 से अधिक पोर्टलों पर मंडराया संकट

एहतियातन 30 से ज्यादा सरकारी वेबसाइट्स बंद

मृदुभाषी। भोपाल

वैश्विक स्तर पर पीएचपी शेल (PHP Shell) सॉफ्टवेयर में सामने आई गंभीर तकनीकी खामी और मध्य प्रदेश कंप्यूटर इमर्जेंसी रिसपॉन्स टीम (MP-CERT) की ओर से जारी अलर्ट के बाद राज्य सरकार ने बड़ा और कड़ा कदम उठाया है।

राज्य के पुराने पीएचपी सॉफ्टवेयर पर संचालित हो रहे 130 से अधिक वेब पोर्टलों पर संभावित साइबर हमले का खतरा मंडरा रहा था। इस गंभीर स्थिति से निपटने और संवेदनशील सरकारी डेटा को पूरी तरह सुरक्षित रखने के लिए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर 30 से अधिक सरकारी पोर्टलों की सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। एमपीएसईडीसी के प्रबंध निदेशक अशुमान राज ने बताया कि तकनीकी एजेंसियों की आधिकारिक एडवाइजरी जारी होने से पहले ही राज्य की डिजिटल



ग्लोबल साइबर श्रेट के बाद जागा प्रशासन

ग्लोबल स्तर पर पीएचपी शेल तकनीक में तकनीकी खराबी की जानकारी सामने आने के बाद मध्य प्रदेश की ऑनलाइन प्रणालियों पर जोखिम काफी बढ़ गया था। मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (MPSEDC) और साइबर सुरक्षा एजेंसियों ने समय रहते स्थिति का आकलन किया। राज्य में जनसेवाओं और विभिन्न सरकारी विभागों से जुड़ी डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने पाया कि पुरानी तकनीक पर आधारित वेब सेवाएं साइबर अपराधियों के निशाने पर आ सकती हैं। इसके बाद सुरक्षा के कड़े इंतजाम करते हुए तुरंत प्रभावित पोर्टलों की सेवाएं रोकने का फैसला लिया गया, ताकि किसी तरह की अनधिकृत घुसपैठ, डेटा चोरी को रोक जा सके।

प्रणालियों में असामान्य गतिविधियों के संकेत मिल गए थे। जैसे ही संदिग्ध गतिविधियों की पहचान हुई, विभाग ने तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल

लागू कर दिया। एहतियाती कदम उठाते हुए शुरुआत में लगभग 100 सरकारी वेबसाइटों को एक साथ बंद कर दिया गया था। इसके बाद

पति की सलामती के लिए व्रत रख रही महिला ने जहरीले सांप को पटक-पटककर मार डाला

मृदुभाषी। भिंड

मध्य प्रदेश के भिंड जिले से करवा चौथ के पावन पर्व पर एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए रखे गए व्रत के दौरान मौत के मुंह से मुकाबला कर लिया। करवा चौथ की तैयारियों के बीच अचानक घर में एक जहरीला सांप आ गया, जिसे देखकर आमतौर पर लोगों के होश उड़ जाते हैं, लेकिन इस महिला ने गजब का साहस दिखाते हुए सांप से सीधा मुकाबला किया और उसे पटक-पटककर मार डाला। महिला का कहना



था कि जब तक वह अपने पति के हाथों से पानी नहीं पी लेगी, तब तक वह चैन से नहीं बैठेगी। सांप का काम तमाम करने के बाद महिला ने राहत की सांस ली और मरे हुए सांप

को हाथ में लेकर सीधे जिला अस्पताल जा पहुंची। अचानक अस्पताल के वार्ड में हाथ में मरा हुआ सांप लिए महिला को पहुंचते ही वहां मौजूद मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों के

बीच हड़कंप मच गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, अस्पताल स्टाफ ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत स्थिति को संभाला और महिला का स्वास्थ्य परीक्षण किया। गंभीमत यह रही कि इस जानलेवा संघर्ष के दौरान महिला को सांप ने नहीं काटा और वह पूरी तरह सुरक्षित है, जिसे डॉक्टरों ने एहतियात के तौर पर निगरानी में रखा है। करवा चौथ के दिन पति के प्रति अटूट प्रेम और अक्लमंद बहादुरी का यह वाक्या अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि सांप बेहद जहरीला हो सकता है और ऐसा जोखिम भरा कदम उठाना खतरनाक साबित हो सकता है; इसलिए कभी भी सांप दिखने पर उसे मारने या पकड़ने की बजाय सुरक्षित दूरी बनाकर तुरंत वन विभाग या प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम को सूचना देनी चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले- सनातन संस्कृति और गौरवशाली विरासत के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मृदुभाषी। गोंटेगांव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति, भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। श्रीमद्भगवत पुराण चारों वेदों, अठारह पुराणों और उपनिषदों के सार को समाहित करने वाला पवित्र ग्रंथ है, जो मनुष्य को जीवन, मृत्यु, कर्म और सदाचार का वास्तविक अर्थ समझाता है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को गोंटेगांव में पूज्य गोपीठाधीश्वर महंत बिपिन बिहारी दास जी महाराज की उपस्थिति में आयोजित श्रीमद्भगवत कथा यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पूज्य



महाराजश्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि प्रदेश की 19 धार्मिक नगरियों

में शराबबंदी का निर्णय लिया गया है और नक्सलवाद के बाद अब वर्ष 2029 तक ड्रग्स तथा नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया है। प्रदेश में

व्यापक स्तर पर गीता जयंती मनाने और गांवों व निकायों में गीता भवनों का निर्माण करने का संकल्प लिया गया है। इसके अलावा मां नर्मदा परिक्रमा पथ के विकास, विश्राम स्थलों, घाटों के उन्नयन और जल शुद्धीकरण की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद में 'वृंदावन गांव' विकसित किए जाएंगे, जहां देसी गाय पालने वाले पशुपालकों को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। उज्जैन, ओरछा, चित्रकूट, ओंकारेश्वर, महेश्वर और अमरकंटक सहित भगवान श्रीराम व श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने समाज

की कार्यक्रम में आधार व्यक्त करते हुए मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जालम सिंह पटेल (मुन्ना भैया) और मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन की पूरी टीम के प्रयासों से यह भव्य आयोजन स्वर्गीय माताजी एवं स्वर्गीय मणिनागेंद्र सिंह (मोनू भैया) की पुण्यस्मृति में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के आगमन पर आभार जताया और कथाव्यास बिपिन बिहारी दास जी महाराज के सामाजिक परिवर्तन के संकल्पों की सराहना की। इस अवसर पर विधायक महेंद्र नागेश, पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, वरिष्ठ समाजसेवी मुलाम सिंह पटेल, मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के सदस्य सरदार सिंह पटेल, रामसनेही पाठक, महंत प्रीतम पुरी गोस्वामी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सम्पादकीय



## एथनॉल की रपतार बढ़ाने में जल्दबाजी पड़ सकती है भारी

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ई100 और ई85 ईंधन को अपनाने को मंजूरी दे दी है और फ्लेक्स ईंधन वाले वाहनों के पंजीयन को भी स्वीकृति दे दी गई है। निकट भविष्य में तेल कीमतों पर भू-राजनीतिक परिदृश्य के प्रभाव तथा परिवहन आदि के कारण शहरों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए इस कदम की जरूरत को समझा जा सकता है।

परंतु ऐसी नीति को अपनाने की गति को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि एथनॉल के इस्तेमाल को लेकर कुछ नकारात्मक अनुमान भी हैं। ई10 से ई20 ईंधन की तर्फ बढ़ने की प्रक्रिया नियत समय से 5 साल पहले ही पूरी हो गई है। ऐसा आपूर्ति क्षेत्र की बाधाओं और विशुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने की जरूरतों के कारण हुआ है। इसने कार मालिकों को नाखुश किया है जिनके वाहनों का प्रति किलोमीटर माइलेज 7 से 12 पीएसडी तक कम हुआ है। यह बात ईंधन की मांग कम होने के तर्क को ध्वस्त करती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में ई20 को पूरी तरह लागू किए जाने के बाद तेल आयात मद में अक्टूबर के मध्य तक 19 लाख करोड़ रुपये की बचत की गई है और 3.1 करोड़ टन तेल की भी बचत हुई। लेकिन कुछ विश्लेषकों ने इन आकलनों पर सवाल उठाए हैं। पहली नजर में वाहनों के लिए एथनॉल आधारित ईंधन की पहल सभी के लिए फायदेमंद रही है। इससे खासकर बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में किसानों की आय स्थिर करने में मदद मिली है। एथनॉल उत्पादन ने कृषि उपज के अतिरिक्त भंडार के लिए एक सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराया है। साथ ही खराब हो चुके खाद्यान्न का भी उपयोग किया जा सका है। एथनॉल बनाने वाली डिस्टिलरी आमतौर पर कृषि उत्पादन केंद्रों के नजदीक स्थापित होती है। इससे रोजगार के अवसर पैदा होते हैं और ग्रामीण विकास को भी बढ़ावा मिलता है। हालांकि खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिकी पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव अब भी सवालों के घेरे में हैं। इसका असर इस साल चीनी बाजार में भी देखने को मिला जब शुरुआती भंडार कम होने और उत्पादन में गिरावट के कारण साल की शुरुआत में चीनी कीमतों में तेज उछाल आई। इस बीच सरकार ने चावल के बड़े पैमाने पर एथनॉल उत्पादन में इस्तेमाल किए जाने के आरोपों को खारिज किया है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय खाद्य निगम ने एथनॉल उत्पादन के लिए केवल खराब या टुकड़ा अनाज का ही इस्तेमाल किया और इससे खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम पर कोई खतरा पैदा नहीं हुआ।

समय के साथ और कृषि बाजारों की अनिश्चितताओं को देखते हुए एथनॉल कार्यक्रम का तेजी से विस्तार किसानों को अधिक भूमि पर गन्ने या मक्के की खेती के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। इससे समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ब्राजील को एथनॉल आधारित ईंधन की ओर बदलाव के मामले में दुनिया की सफल कहानियों में गिना जाता है। वर्ष 1975 में शुरू हुआ यह बदलाव करीब 25 वर्षों तक चला।

इससे ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में निश्चित रूप से कमी आई लेकिन स्थानीय पारिस्थितिकी पर इसका प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ा। वहां किसानों ने कृषि भूमि पर मक्के और गन्ने की खेती शुरू की तो पशुपालकों और मवेशी पालने वालों को अपनी जमीन छोड़नी पड़ी।

उन्होंने पशुपालन के लिए स्पेजिजन में निश्चित रूप से कमी को काट दिया। उसे समय-समय पर कीमतों और आपूर्ति के बीच असंतुलन का भी सामना करना पड़ा। जब वैश्विक बाजार में चीनी की कीमतें बढ़ीं, तो एथनॉल उत्पादन कार्यक्रम के लिए उपलब्ध चीनी की आपूर्ति स्वाभाविक रूप से घट गई। इसके उलट जब एथनॉल की कीमतें बढ़ीं तो चीनी की फसल का रख एथनॉल उत्पादकों की ओर हो गया।

## रिश्तों की बढ़ती टीस और दोस्ती की फीस

क्षमा शर्मा

अंग्रेजी की कहावत है—‘ए फ्रेंड इन नीड इज ए फ्रेंड इनडीड।’ यानी कि जो दोस्त जरूरत के समय काम आए, वही असली दोस्त होता है। आप लोगों ने दशकों पहले आई फ़िल्म शोले भी देखी होगी, जिसमें एक गाना था—‘ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे।’ इसे अमिताभ बच्चन और धर्मेन्द्र पर फ़िल्माया गया था। ऐसी दोस्तियां होते भी देखी हैं, जो बचपन से लेकर जीवन के अखिरी पड़ाव तक बनी रहती हैं। स्त्रियों में भी यह सहेलीपन, बहनापा या भायलीपन खूब चलता रहा है। सावन के महीने में जब लड़कियां अपने ससुराल से मायके आती थीं, तो सबसे पहले वे अपनी बचपन की सहेली को ही खोजती थीं। इन दोस्तियों के कारण परिवार भी आपस में मित्र बन जाते थे।

लेकिन इन दिनों फ्रेंडशिप या दोस्ती की परिभाषा कुछ बदली हुई है। इसे फेसबुक से आसानी से समझा जा सकता है। इसमें पांच हजार दोस्तों की सीमा है। यानी कि पांच हजार के बाद फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं की जा सकती। किसी के पांच हजार मित्र हों, तो उसकी ताकत के कहेने ही क्या! क्योंकि कहा जाता है कि दोस्तों से दुनिया चलती है। लेकिन यह भी तो है कि हो सकता है कि इन पांच हजार में से किसी एक को भी आप निजी तौर पर न जानते हों। फिर मनुष्य के मनुष्य से मिलने पर जो भाईचारा उत्पन्न होता है, आत्मीयता बढ़ती है, इन बातों की जगह इन दोस्तों में कहां? आपके सुख-दुःख में भी इनका शायद ही कोई सहारा हो। सिवाय ऑनलाइन लिखने के—‘ओह, बहुत अफ़सोस है’, ‘रेस्ट इन पीस’ या ‘बहुत-बहुत बधाई। शुभकामनाएं।’ तकनीकी की दुनिया में बनाए गए दोस्त ऐसे ही हो सकते हैं।

फिर आजकल ऐसा भी तो है कि जिससे बरसों से दोस्ती है, किसी मामूली बात पर झगड़ा हुआ, तो दोस्ती टूट गई। यहां तक कि जान भी चली



गई। कभी किसी लड़की से संबंध को लेकर, कभी खान-पान की किसी चीज को लेकर, तो कभी पैसे के लेन-देन को लेकर। पिछले दिनों चिकन के एक पीस को लेकर दो दोस्तों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि एक ने दूसरे की हत्या कर दी। इसी तरह एक बौड़ी को लेकर और पांच सौ रुपये के लेन-देन को लेकर भी दोस्तों ने अपने ही दोस्तों को मार डाला। यही नहीं, कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि कोई व्यक्ति अपने दोस्त को बताकर गया कि वह इतने दिनों के लिए बाहर जा रहा है और उसके माता-पिता घर में अकेले होंगे, इसलिए उनका ध्यान रखे। इसका फ़ायदा उठाकर दोस्त उसके घर पहुंच गए। माता-पिता को शक भी नहीं हुआ। फिर दोस्तों ने ही घर में लूटपाट कर ली, बुचुर्गों को घायल कर दिया या उनकी जान ही ले ली।

लड़कियों के मामलों में भी ऐसी बातें दिखाई देती हैं। कई बार दो लड़कियों की एक ही लड़के से मित्रता होती है। दोनों आपस में सहूलियां भी होती हैं। फिर लड़के पर किसका आधिपत्य हो, इसे लेकर एक लड़की ही

### धर्म-ज्योतिष

### हथेली के पीछे बाल होना तय करता है आपका भविष्य और स्वभाव

सनातन धर्म में सामुद्रिक शास्त्र को बेहद अहम माना जाता है। सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक जातक के शरीर की बनावट और तिलों की स्थिति से जातक के भविष्य से जुड़ी की जानकारी मिलती है। अक्सर लोग हथेली की रेखाओं पर ज्यादा ध्यान देते हैं। हालांकि हाथ के



पिछले हिस्से पर उगने वाले बालों को अनदेखा कर दिया जाता है। सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक हथेली के पीछे बाल होने से आर्थिक स्थिति और जातक के जीवन से जुड़े कई रहस्यों का पता लगाया जा सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताते जा रहे हैं कि हथेली के पीछे बाल होना किस बात का संकेत होता है। सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक जिन जातकों की हथेली के पीछे ज्यादा बाल होते हैं। उनको अपने जीवन में अधिक संघर्ष करना पड़ता है। इन जातकों को सफलता पाने के लिए ज्यादा परिश्रम करना पड़ता है। इसके बाद इनको मन मुताबिक रिजल्ट मिलते हैं। यह लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन रात मेहनत करते हैं।

### समसामयिक

## पाकिस्तान के खिलाफ राजनाथ सिंह के तेवर

राजनाथ सिंह की रक्षा कूटनीति ने अमेरिका के सामने भारत की सुरक्षा चिंताओं को जिस दृढ़ता और दौढ़क अंदाज में रखा है, उसने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने के मुद्दे पर वाशिंगटन को भी असहज स्थिति में ला खड़ा किया। एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए अमेरिकी सहायता पैकेज पर भारत की कड़ी आपत्ति और पाकिस्तान को दी जाने वाली संवेदनशील तकनीक के तीसरे देश तक पहुंचने की आशंका उठाकर राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अपनी सुरक्षा के सवाल पर किसी भी तरह की हिलाई बदौशत करने को तैयार नहीं है।

आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के खिलाफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का सख्त संदेश इस बात का संकेत है कि भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी अपनी जगह है, लेकिन पाकिस्तान के मामले में भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा। देखा जाये तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर साबित किया है कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन में भारत की



रक्षा कूटनीति केवल बैठकों और औपचारिक बयानों तक सीमित नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों की स्पष्ट परेवी करने, मित्र देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भारत की शर्तों को प्रभावी ढंग से सामने रखने का माध्यम भी है।

फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने अमेरिका के

सामने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए सहायता पैकेज देने का मुद्दा उठाया। इसके साथ ही जापान और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रियों के साथ उनकी मुलाकातों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती रणनीतिक सक्रियता का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। राजनाथ सिंह ने भारत का पक्ष इतनी स्पष्टता से रखा कि वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान को दी जाने वाली सैन्य सहायता के दुष्परिणामों पर जवाब देना और इस्लामाबाद का बचाव करना मुश्किल हो गया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेमसेथ के साथ बातचीत में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के एफ-16 कार्यक्रम से जुड़े सहायता पैकेज पर भारत की गंभीर चिंता व्यक्त की। हम आपको बता दें कि अमेरिका का 64.9 करोड़ डॉलर का यह पैकेज पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों की परिचालन क्षमता और रखरखाव को मजबूत करने से जुड़ा है। इसमें एवियोनिक्स सुधार, तकनीकी उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, प्रशिक्षण, सिमुलेटर और लॉजिस्टिक सहायता जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं।

## व्यापार

# दिल्ली के बाजारों में प्रदर्शनों पर रोक की मांग CIMSME ने गृह मंत्री शाह को सौंपा ज़ापन

मृदुभाषी | नई दिल्ली

दिल्ली के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में आए दिन होने वाले विरोध प्रदर्शनों से ठप पड़ते कारोबार को लेकर व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है। चैंबर ऑफ इंडियन माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (CIMSME) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक विस्तृत ज़ापन सौंपकर त्योहारों के इस संवेदनशील मौसम में कमर्शियल हब को प्रदर्शनों से बचाने के लिए तत्काल कड़े कदम उठाने की मांग की है।

CIMSME ने ज़ापन में कहा है कि कर्नाट प्लेस, रामलीला मैदान और आसपास के प्रमुख वाणिज्यिक इलाकों में बार-बार



होने वाले धरने-प्रदर्शनों से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs), स्टार्टअप्स और छोटे व्यापारियों को भारी आर्थिक

नुकसान हो रहा है। संगठन ने मांग की है कि त्योहारों के दौरान किसी भी कमर्शियल प्रतिष्ठान के आसपास विरोध प्रदर्शन की



अनुमति बिल्कुल न दी जाए। निकाय ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए बताया कि बार-बार लगने वाले ट्रैफिक जाम, मेट्रो स्टेशनों का बंद होना और सड़कों पर लगने वाले प्रतिबंधों के कारण ग्राहकों और कर्मचारियों

को बाजारों तक पहुंचने में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आवाजाही की इस अनिश्चितता से दुकानों की बिक्री में भारी गिरावट आ रही है, जो नए स्टार्टअप्स और छोटे दुकानदारों के लिए अस्तित्व का संकट खड़ी कर रही है। चैंबर ने गृह मंत्री से अपील की है कि वे प्रशासनिक अधिकारियों को दिल्ली-एनसीआर के व्यापारिक क्षेत्रों में प्रदर्शनों के प्रभाव की समीक्षा करने के निर्देश दें। साथ ही, विरोध प्रदर्शनों के लिए वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों से दूर एक अलग स्थान तय करने की स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि दिल्ली की अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन बिना किसी रुकावट के सुचारु रूप से चल सके।

### गरीबी घटी पर चुनौतियां कायम

नई दिल्ली। विश्व बैंक की ओर से जारी 'पोवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' के आंकड़े भारत की ऐतिहासिक आर्थिक उपलब्धि के बारे में बताते हैं। वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत ने 49.6 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जिससे निम्न-मध्यम आय रेखा के नीचे रहने वाली आबादी 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत पर आ गई है। वहीं

### विदेशी मुद्रा भंडार: घटकर 719.748 अरब डॉलर

मृदुभाषी | नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 30 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.269 अरब डॉलर की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही कुल विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 719.748 अरब डॉलर पर आ गया है। इससे पहले 16 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में भी इसमें 5.011



अरब डॉलर की कमी आई थी, जिससे यह लगातार दूसरा हफ्ता है जब भंडार में गिरावट देखी गई है। इस गिरावट के पीछे मुख्य रूप से FCNR(B) संसाधनों का

## दिल्ली में चांदी 8,300 टूटी, सोना हुआ सस्ता



मृदुभाषी | नई दिल्ली

दिल्ली में शुक्रवार को सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह 8,300 रुपये टूटकर 1,90,200 रुपये प्रति किलोग्राम के 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेज बिकवाली और वैश्विक स्तर पर हाजिर सोने के 4,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे फिसलने का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा।

वैश्विक रुझानों के बीच निवेशकों द्वारा की गई मुनाफावसूली के कारण 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना भी 1,300 रुपये गिरकर 1,45,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,46,500 रुपये था। वैश्विक बाजार में हाजिर सोना 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 3,968.24 डॉलर प्रति औंस और चांदी 4 फीसदी की गिरावट के साथ 50.12 डॉलर प्रति औंस पर दर्ज की गई। कीमती धातुओं में आई इस अचानक बड़ी गिरावट ने बाजार के निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है।

### अरब डॉलर

दौरान विदेशी मुद्रा भंडार के विभिन्न घटकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। सोने के भंडार के मूल्य में बड़ी गिरावट आई और यह 2.65 अरब डॉलर घटकर 103.15 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, विशेष आरक्षण अधिकार (SDRs) 2.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.605 अरब डॉलर हो गए, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पास भारत की आरक्षित स्थिति 40 लाख डॉलर घटकर 4.787 अरब डॉलर रह गई।



पहली बार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़ी संख्या में युवाओं ने किया रक्तदान, 81 गर्भवती महिलाओं की भी हुई जांच

# स्वास्थ्य शिविर में 315 मरीजों का हुआ परीक्षण, 71 लोगों ने किया रक्तदान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

क रही। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाडल्ल्या में लुंकड़ परिवार द्वारा अपने पिता स्व. तिलोकचंद जैन की पांचवीं पुण्यतिथि पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 315 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें परामर्श दिया, वहीं 71 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

शिविर में एमडी चिकित्सक डॉ.

बीएल लछेटा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वंदना प्रजापति, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश ठाकुर एवं एमबीबीएस डॉ. आकाश पाटीदार ने परीक्षण किया।

## 81 गर्भवती महिलाओं की जांच, तीन सिकल सेल पांजिटिव

बीएमओ अतुल गौर ने बताया कि शिविर में कुल 315 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 81 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिनमें तीन महिलाएं सिकल सेल पांजिटिव पाई गईं। इसके



अलावा 186 मरीजों की शुगर एवं बीपी सद्विध मरीजों की भी जांच की

गई।आयोजकों ने बताया कि शिविर में प्रधानमंत्री जनजागरण अभियान का सराहनीय सहयोग रहा। अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्की खत्री, सौरभ जैन ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना ही अभियान का संकल्प है।

## पहली बार स्वास्थ्य केंद्र में 71 लोगों ने किया रक्तदान

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाडल्ल्या में

पहली बार आयोजित रक्तदान शिविर में 71 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वंदना प्रजापति ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान कई बार रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में रक्तदान किसी जरूरतमंद महिला की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसलिए हमें समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए।

लुंकड़ परिवार के सदस्य सुशील जैन, शेलश जैन ने बताया कि पिता

की पुण्यतिथि को सेवा कार्य के रूप में मनाने के उद्देश्य से शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया। इससे उनमें रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और भविष्य में जरूरतमंदों की मदद के लिए वे बिना किसी झिझक के आगे आएंगे। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गौड़, धरम सुराणा, महेंद्र सोनी राजेस डोसी ,कमलेश जाट,दीपक नायक, मदन पाटीदार, तिलोक छारेल, लक्ष्मण पंडित सहित नगवासी उपस्थित थे।

# स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्लॉटों की रजिस्ट्री के लिए 23,738 पंजीयन पूर्ण

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर में राजस्व आयुक्त ने दी जानकारी, शिविर में 886 आवेदन का मौके पर ही किया निराकरण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत खालवा विकासखंड के मांगलिक भवन ग्राम रोशनी में शुक्रवार को शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती जी के चित्र पर मान्यारपण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान 886 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमुख राजस्व आयुक्त मध्यप्रदेश सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि खंडवा जिले में स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्लॉटों की रजिस्ट्री के लिए 23,738 पंजीयन पूर्ण हो चुके हैं। खालवा में भी 114 गांवों में लगभग 3 हजार पंजीयन पूर्ण हुए हैं।

## मॉडल के रूप में विकसित हो कुछ ग्राम पंचायतें

उन्होंने कहा कि खालवा में कुछ ग्राम पंचायतों को मॉडल के रूप में विकसित किया जाए, जहां मत्स्य पालन, पोषण वाटिका, आंगनवाड़ी पोषण सेवाओं और महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को एक साथ जोड़कर देखा जाए। यह भी देखा जाए कि क्या मत्स्य पालक समूह और आंगनवाड़ी केंद्र के बीच समन्वय स्थापित किया जा सकता है और पोषण



जागरूकता गतिविधियों में मत्स्य पालकों को शामिल किया जा सकता है। खालवा के लिए मत्स्य पालन और कुपोषण को जोड़ते हुए एक समेकित कार्य योजना बनाकर क्रियान्वयन किया जाए, जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग पोषण की नियमित निगरानी करे, स्वास्थ्य विभाग परीक्षण-उपचार सुनिश्चित करे, मत्स्य विभाग जल संसाधन के बेहतर उपयोग का कार्य करे और पंचायत ग्रामीण विकास विभाग समुदाय को इस प्रयास से जोड़े।

## कलेक्टर ने किया योजनाओं का लाम लेने प्रेरित

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों से कहा कि जिले में इस वर्ष

कारण आगामी रबी सीजन में सिंचाई के संकट को देखते हुए कम पानी लेने वाली फसलों का चयन करने करें। कलेक्टर गुप्ता ने कहा कि शिविर स्थल पर स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल लगे हुए हैं। सभी ग्रामीण वहां जाकर अपना हीमोग्लोबिन चेक कराएं। हीमोग्लोबिन के साथ-साथ बीपी और शुगर की जांच भी करवाएं। यह जांच एकदम फ्री-ऑन-कॉस्ट की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को पारंपरिक खेती के अतिरिक्त उद्यानिकी फसलों को भी अपनाना चाहिए। उद्यानिकी फसलों से अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है। उन्होंने स्वामित्व योजना की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के

माध्यम से सभी की रजिस्ट्रियां फ्री की जा रही हैं, जिससे भविष्य में उन्हें लोन लेने और मकान बनाने में आसानी होगी।

## शिविर में हितग्राहियों को वितरित किए गए हित-लाम

मुख्यमंत्री जन-विश्वास कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाम वितरित किए गए। कार्यक्रम में लाइली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत सुट्टि, धूवी, आफिया और प्रिया को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा जमीला बी और कुसुम राठौर को पेंशन योजना के तहत लाभ प्रदान किया गया। हरिओम को पावर स्टे पंप का वितरण किया गया एवं एक अन्य हितग्राही को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पैक्टिक आहार किट का वितरण भी किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लागाए गए स्टालों का निरीक्षण भी किया। शिविर में कुल 886 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एश्वर्य वर्मा, हरसूद एसडीएम आरसी खेतडिया, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रमिला सिलाले, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सती बाई, सरपंच संतोष पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

# जनविश्वास शिविर से लाभाभावित हो रहे लोग: विधायक

शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाम, सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। नगर पालिका परिषद ने शुक्रवार को राधाकुंज मांगलिक परिसर में जिला स्तरीय जनविश्वास शिविर का आयोजन किया। शिविर में आमजन को एक ही मंच पर सरकारी योजनाओं का लाभ और समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। शिविर में योजनाओं का लाभ लेने वाले हितग्राहियों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

शिविर में विधायक बालकृष्ण पाटीदार, कलेक्टर गुरु प्रसाद, एसपी रविंद्र वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी और जिला पंचायत सीईओ मिलिंद नागदेवे मंचासीन रहे। विधायक पाटीदार ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ लेकर लोग संपन्नता की ओर बढ़ रहे हैं। ये शिविर नागरिकों को अपनी समस्याओं को



सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने और सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आयोजित किया है। इन शिविरों का उद्देश्य योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को लाभावित करना है। जो लोग लाभ ले चुके हैं, वह अन्य लोगों को भी इनकी जानकारी देकर लाभावित कराएं।

कलेक्टर प्रसाद ने आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए समय पर जांच एवं उपचार कराने के लिए प्रेरित किया। जनता और प्रशासन के बीच दूरी को मिटा रहे शिविर : नपाध्यक्ष

खुद जनता के बीच पहुंचा है। आज कई लोग लाभावित हुए हैं, वे लोग दूसरों को भी लाभ लेने की प्रक्रिया बताएं, जिससे वंचित लोग भी लाभावित हो सकें।

## इन योजनाओं में मिला लाम

शिविर में 426 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 55 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। शिक्षा विभाग के माध्यम से 111 अपार आईडी एवं कृषि विभाग द्वारा 15 फार्मर आईडी बनाई गईं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 105 हितग्राहियों के ऋण स्वीकृत किए गए। इसी प्रकार लाइली लक्ष्मी योजना के तहत 155 स्वीकृतियां प्रदान की गईं। खाद्य विभाग द्वारा 55 हितग्राहियों की ई-केवाईसी की गई। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत 40 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृत की गई। शिविर में अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के पालन प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किए गए।

# पाटीदार ने लिखी एआई की पहली वर्णमाला, आधिकारिक पंजीकरण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरवाद। शिक्षा के क्षेत्र में पैरामाउंट एकेडमी, कसरवाद ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अखिलेश पाटीदार और उनकी सह-लेखक टीम द्वारा बच्चों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रारंभिक जानकारी देने के लिए तैयार की गई अनूटी पुस्तक एआई एलिमेंट्री प्लेबुक (ए टू जेड सीरीज) का भारत सरकार के कॉपीराइट कार्यालय द्वारा आधिकारिक पंजीकरण हो गया है। यह उपलब्धि 14 अक्टूबर 2026 को दर्ज की गई। इस नवाचार आधारित पुस्तक के सह-लेखक अंजू वर्मा और अंकित रजक हैं।



## एटुजेंड के माध्यम से एआई

इस पुस्तक में अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों के जरिए छोटे बच्चों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मूल अवधारणाएं बेहद सरल ढंग से समझाई गई हैं। रोचक गतिविधियां और कठिन तकनीकी विषयों को बच्चों के अनुकूल बनाने के लिए इसमें व्यावहारिक उदाहरणों, चित्रों और ज्ञानवर्धक गतिविधियों को शामिल किया गया है।

## त्यौहार करवाचौथ पर दिनभर निर्जला रहकर की पति की दीघारु की कामना

# चांद के साथ किए पति के दीदार, तोड़ा व्रत



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आलोट। दिनभर चांद के दीदार की प्रतीक्षा, मन में जीवनसाथी की लंबी उम्र की कामना और आंखों में अपने-के साथ सुखमय

जीवन के सपने। जैसे ही आसमान में चंद्रमा नजर आया, घर-आंगन आस्था और प्रेम के रंगों से खिल उठे। पूजा की थालियां सजीं, चंद्रमा को अर्घ्य अर्पित किया गया और छलनी से चांद निहारने के बाद सुहागिनों ने अपने साजन का चेहरा देखा। पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत का पापण किया तो दिनभर की प्रतीक्षा खुशियों में बदल गई। गुरुवार को आलोट में करवा चौथ का पर्व श्रद्धा, परंपरा और दांपत्य प्रेम की भावनाओं के बीच मनाया गया।

सुबह से ही सुहागिनों ने पति की दीघारु और परिवार की सुख की कामना के साथ निर्जला व्रत रखा। दिनभर उपवास के बीच शाम होते ही चंद्र दर्शन और पूजा की तैयारियां शुरू हो गईं। महिलाओं ने पारंपरिक विधि-विधान से करवा माता की पूजा-अर्चना की और चंद्रमा के उदय होने की प्रतीक्षा की। चांद नजर आते ही पूरवा की थालियां हाथों में सजीं, अर्घ्य देकर सुखी दांपत्य जीवन की मंगलकामना की गई। इसके बाद छलनी से चंद्र दर्शन कर पति का



चेहरा निहारा और उनके हाथों से जल ग्रहण कर व्रत खोला।

## पर्व पर सुहागिन महिलाओं ने किए सोलह श्रंगार

करवा चौथ पर महिलाओं का सोलह श्रंगार पर्व की खूबसूरती में चार चांद लगाता नजर आया। हाथों में रबी मेहंदी, रंग-बिरंगी चूड़ियां, माथे की बिंदिया, पारंपरिक परिधान और सजी-धजी पूजा की थालियों ने त्यौहार की रौनक बढ़ाई। नवविवाहिताओं में पर्व

को लेकर खास उत्साह रहा, वहीं वर्षों से इस परंपरा को निभा रही महिलाओं ने भी पुरे श्रद्धाभाव के साथ पूजा-अर्चना की। घरों में दिनभर पर्व की तैयारियों का माहौल रहा और शाम को चंद्र दर्शन के साथ खुशियों ने दस्तक दी।

## चांद के दर्शन के साथ ही घर-आंगन में छाई खुशियां

करवा चौथ की परंपरा केवल निर्जला उपवास और चंद्र दर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवनसाथी के प्रति प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे का साथ निभाने की भावना का प्रतीक भी है। छलनी में चांद और उसके बाद जीवनसाथी का चेहरा देखने की रस्म ने पर्व की शाम को खास बना दिया। सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र, दांपत्य जीवन में खुशहाली और परिवार की सुख की कामना की। चंद्र दर्शन के साथ अलावा का पापण हुआ तो दिनभर की तपस्या के बाद घर-आंगन में खुशियों का माहौल छा गया। आलोट में करवा चौथ की शाम आस्था, परंपरा और रिश्तों की मिठास के नाम रही।

# इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर परियोजना का आयुक्त निवेदिता ने किया अवलोकन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लखपति दीदी की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से आदिवासी बहुल विकासखंड खालवा के ग्राम रोशनी में इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर परियोजना का उद्घाटन किया गया है। यह फार्मिंग क्लस्टर 136 लाख की लागत से तैयार किया गया है। इस क्लस्टर में स्व सहायता समूह की महिलाएं मछली पालन, उद्यानिकी एवं पशुपालन जैसी गतिविधियों के माध्यम से आय प्राप्त कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम के पूर्व मध्यप्रदेश की प्रमुख राजस्व आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कलेक्टर ऋषव गुप्ता के साथ पर्योजना का अवलोकन किया।



इस अवसर पर कलेक्टर गुप्ता ने उन्हें बताया कि इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर से जुड़ी डेढ़ सौ से अधिक महिलाओं को मछली पालन, पशुपालन, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है, ताकि वे इन व्यवसायों को अच्छी तरह से कर सकें।

## पोषण वाटिका में हो रहा गोबर गोमूत्र का उपयोग

कलेक्टर ने आयुक्त को जानकारी

बताया कि इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के तहत जिला पंचायत द्वारा पहले से संचालित गौशाला से प्राप्त गोबर एवं गोमूत्र का उपयोग जैविक खेती और पोषण वाटिका में किया जा रहा है। इसी मॉडल को आगे बढ़ाते हुए एक्वा पार्क, फलदार पौधों की वाटिका और पर्यटन आकर्षण हेतु सेल्फी प्वाइंट विकसित किए गए हैं। यह परियोजना पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल और जीरो-वेस्ट मॉडल पर आधारित है।

ने धर्म एवं अध्यात्म के मार्ग पर कई अनुकरणीय कार्य किए हैं। जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। ऐसे सेवाभावी समाजसेवी परिवार को मैं नमन करता हूँ, वहीं कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी गौर परिवार के सेवाभावी कार्यों का उल्लेख करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। साथ ही उनके कार्यों से प्रेरणा लेने की बात भी कही गई। इस अवसर पर उदासीन मठ के संत पूरानंद महाराज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य जिला संचालिका ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी, समाजसेवी रमन शर्मा, नरेंद्र मिश्रा, गोविंद अग्रवाल, रामेश्वर जलोदिया, उमेद सिंह राठौड़, नारायण व्यास, निदेशा सवालिया, मुकेश गुप्ता, रामेश्वर कारपेटर, राजेश गोस्वामी, रघुश्याम पंडित्यार, कमल चौहान सहित कई सामाजिक एवं धार्मिक संस्था पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन रामेश्वर जलोदिया ने किया आभार दीपक कुमार गर्ग ने माना।

# दशहरा मैदान में पटाखा दुकान भी सजेंगी, ट्रॉलियां भी लगेंगी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। आगामी दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। त्योहार के दौरान शहर में पटाखा दुकानों के सुरक्षित संचालन और मंडी में आने वाली किसानों की फसल से भरी ट्रॉलियों की सुगम पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने शुक्रवार को दशहरा मैदान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक और सख्त दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पटाखा दुकानों के संचालन के लिए टीन शेड की मजबूत व्यवस्था की जाए। हादसों से बचाव और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सभी दुकानें निर्धारित दूरी पर लगाई जाएं। उन्होंने अधिकारियों



से कहा कि दुकानों के बीच पर्याप्त जगह रखी जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में अव्यवस्था

न फैले और आमजन की सुरक्षा पूरी तरह पुरखा रहे। किसानों की सुविधा और शहर को जाम से बचाने के लिए कलेक्टर ने दशहरा मैदान के सामने निमाणार्थीन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थल को व्यवस्थित करने के निर्देश मंडी सचिव और पीआईयू के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि ट्रॉलियों को खड़ा करने के लिए समतल जगह और आवागमन के लिए ढलान (स्लोप) तैयार की जाए। ट्रॉलियों के प्रवेश के लिए अलग गेट बनेगा, जबकि निकासी मार्ग बीज निगम की ओर से मुख्य सड़क से जोड़ा जाएगा। साथ ही, यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग भी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे, तहसीलवार मयंक तिवारी, ट्रैफिक टीआई अजय प्रताप सिंह सहित पीआईयू, मंडी और नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।



## महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्कूल में हुई कौशल विकास यात्रा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। आई सेट द्वारा आयोजित कौशल विकास यात्रा के तहत स्थानीय शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता से अवगत कराना तथा उनके कौशल विकास को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में आई सेट के राज्य संयोजक आर. के. भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, संपूर्ण आयोजन विद्यालय की प्राचार्य मृदुला सक्सेना के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

## 1 लाख 45 हजार सहित सात जुआरी हुए गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले में जुआ एवं सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को ऐसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं सलित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी ओमप्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना देहात पुलिस ने ग्राम तरावली स्थित चंद्रमौली ढाबे के पीछे दबिश देकर संगठित रूप से जुआ खेल रहे 07 आरोपियों को पकड़ा। पुलिस टीम ने मौके से 1,45,000 नगद एवं 52 ताश के पत्तों की एक गड्ढी विधिवत जब्त की।

### तरावली में चंद्रमौली ढाबे के पीछे से पकड़े जुआरी

उल्लेखनीय है कि थाना देहात पुलिस को मुखबिर से सूचना

प्राप्त हुई थी कि ग्राम तरावली में चंद्रमौली ढाबे के पीछे कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक उपरान्त थाना प्रभारी देहात द्वारा पुलिस टीम गठित कर बताया गए स्थान पर दबिश दी गई। जहां जुआ खेलते हुए वृंदावन साहू निवासी पंकरपुर मगरदा, राहुल जैन निवासी बजरीया मोहल्ला, हरिओम रघुवंशी निवासी पठार मोहल्ला, विजय बैनजी निवासी पुराना बस स्टैंड, दिलीप धाकड़ निवासी शंकरपुर मगरदा, यशवंत धाकड़ निवासी कलारी मोहल्ला एवं सोरभ रघुवंशी निवासी गावठी मंदिर गली को पकड़ा गया। उक्त मामले में थाना देहात पर अपराध क्रमांक 595/26, धारा 13 जुआ एक्ट एवं संगठित अपराध की धारा 112(1) बीएएस के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। कार्यवाही में थाना प्रभारी देहात आकाश शर्मा, उपनिरीक्षक अजीम अंसारी, सहायक उपनिरीक्षक देवेन्द्र शर्मा, प्रधान आरक्षक शैलेन्द्र रघुवंशी, राजेश धाकड़, आरक्षक दिवेश बैरागी, वृक्षभान धाकड़, सोनू धाकड़ एवं विशाल पारदी की सराहनीय भूमिका रही।

## धरनावदा थाना प्रभारी रोहित को मिली कोतवाली की कमान

गुना। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल करते हुए महत्वपूर्ण तबादले किए हैं। इस प्रशासनिक सूची में थाना कोतवाली को प्राथमिकता देते हुए उप निरीक्षक रोहिल शर्मा को धरनावदा से हटाकर थाना कोतवाली की कमान सौंपी गई है। जारी तबादला सूची के अनुसार, उप निरीक्षक रोहिल शर्मा को थाना प्रभारी धरनावदा से बदलकर नया थाना कोतवाली प्रभारी बनाया गया है। इसी क्रम में, उप निरीक्षक गीराज लोधी को चौकी प्रभारी बीनागंज (थाना चांचौड़ा) से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी धरनावदा नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, उप निरीक्षक बुदेल सिंह सुरेरिया को चौकी प्रभारी उमरी (थाना म्याना) से बदलकर चौकी प्रभारी बीनागंज (थाना चांचौड़ा) की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि उप निरीक्षक अजयप्रताप सिंह यदुवंशी को थाना कैट से स्थानांतरित कर चौकी प्रभारी उमरी (थाना म्याना) परस्थ किया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए इन तबादलों से मैदानी स्तर पर कानून व्यवस्था और थानों की कार्यप्रणाली में कसावट आने की पूरी उम्मीद है।

### एंटी नारकोटिक्स अभियान के तहत गांजा तस्क़र गिरफ्तार

गुना। प्रदेशव्यापी एंटी नारकोटिक्स विशेष अभियान के तहत चांचौड़ा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नशा तस्क़र को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 50 हजार रुपये कीमत का 5.06 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 29-30 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लहराचा गांव के रास्ते एक व्यक्ति प्लास्टिक के बोरे में गांजा लेकर बीनागंज की ओर आ रहा है।

## कुशवाहा समाज के जिलाध्यक्ष चुनाव को लेकर विवाद चुनाव प्रक्रिया पर उठे सवाल; फिर से चुनाव कराने की उठी मांग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। कुशवाहा समाज के जिलाध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर समाज में विवाद गहराता जा रहा है। राजेंद्र कुशवाहा को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष घोषित किए जाने की प्रक्रिया पर समाज के कई वरिष्ठजनों ने सवाल उठाए हैं। इस संबंध में आयोजित एक प्रेसवार्ता में समाज के वरिष्ठजनों ने आरोप लगाया कि चुनाव निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन किए बिना संपन्न कराया गया।

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे दयाशंकर कुशवाहा ने भी चुनाव प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सभी प्रत्याशियों और



समाज के पूर्व जिला अध्यक्षों ने वरिष्ठजनों की सहमति के बिना राजेंद्र कुशवाहा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष घोषित करना उचित नहीं है। उन्होंने मांग की कि चुनाव प्रक्रिया को निरस्त कर नियमानुसार निष्पक्ष एवं पारदर्शी

रीके से दोबारा चुनाव कराया जाए।

### लोकतांत्रिक व्यवस्था आपसी सहमति का समान होना चाहिए

वरिष्ठजनों का कहना है कि समाज में

लोकतांत्रिक व्यवस्था और आपसी सहमति का सम्मान होना चाहिए। किसी भी पद का चयन निर्धारित नियमों और सभी की सहभागिता से होना चाहिए, ताकि समाज में एकता और विश्वास बना रहे। प्रेस वार्ता में मन्नु कुशवाहा, शिवचरण कुशवाहा, कनाईराम बाबा, अमोल सिंह कुशवाहा, रामबाबू कुशवाहा, हंसराज कुशवाहा, गुलाब सिंह कुशवाहा, धम सिंह कुशवाहा, उत्तम कुशवाहा, श्रीमती सविता राजू कुशवाहा, जितेंद्र कुशवाहा, महेश कुशवाहा, गौरव कुशवाहा, मुकेश कुशवाहा, राजू कुशवाहा, लालाराम कुशवाहा, पहलवान कुशवाहा, नीरज पटेल, राजू कुशवाहा, मौजूद रहे।

## दीपावली के मद्देनजर नाप-तौल विभाग ने प्रतिष्ठानों का किया आकस्मिक निरीक्षण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। आगामी दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए नाप-तौल विभाग द्वारा व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आकस्मिक जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निरीक्षक नाप-तौल आनंद सिंह चौरसिया के नेतृत्व में विभागीय दल द्वारा राजगढ़ ब्लॉक के विभिन्न मिठाई, नमकीन, किराना, हाइवेयर एवं पेंडें आदि व्यापारिक संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों पर एमआरपी से अधिक मूल्य वसूलने, मिठाई के साथ डिब्बे का वजन तौलने, गैर-सत्यापित इलेक्ट्रॉनिक तौल काटे का उपयोग करने तथा नमकीन एवं अन्य खाद्य पदार्थों के पैकेज पर अनिवार्य घोषणाएं अंकित किए जाने सहित विभिन्न बिंदुओं की जांच की गई। राजगढ़ क्षेत्र में दौलत नमकीन एण्ड



एवरफ़्रेश, उपाध्याय कोल्डड्रिंक्स, गुप्ता स्वीट्स, वंशी मिष्ठान सहित विभिन्न संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध अभियोजन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। उक्त अनियमितताएं विधिक मापविज्ञान अधिनियम 2009 एवं पैकेज्ड कमोडिटी नियम 2011 के प्रावधानों के उल्लंघन के अंतर्गत आती हैं। नाप-तौल विभाग द्वारा संबंधित संस्थानों को मिठाई के साथ डिब्बे का वजन नहीं तौलने

के निर्देश दिए गए तथा इस संबंध में टेम्पलेट भी चस्पा किए गए। इसके साथ ही विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि यदि उन्हें इस प्रकार की गलत व्यापारिक प्रक्रिया अथवा अनियमितता दिखाई देती है, तो इसकी शिकायत नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन नंबर 1915, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 181 अथवा नाप-तौल विभाग के कार्यालय में दर्ज कराएं।



### पप का नाम कंस : आचार्य जी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। जिला कारागार अशोकनगर जेल में श्रीमद्भगवद् कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जेल अधीक्षक ललित दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि अशोकनगर जिला कारागार में श्रीमद्भगवद् कथा का भव्य आयोजन पहली मर्तबा किया जा रहा है और इस प्रकार के धार्मिक आयोजन का उद्देश्य कैदियों में आध्यात्मिक चेतना एवं जागृति लाने हेतु उनके कल्याणार्थ किया जा रहा है। जिसे सभी बंदीजन बड़े ही श्रद्धाभाव से श्रवण कर रहे हैं। आज षष्ठम दिवस की कथा में

श्रीधाम वृंदावन से पधारे कथा प्रवक्ता आचार्य जुगल किशोर जी महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का विस्तारपूर्वक उल्लेख करते हुए बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ वृंदावन में महारास रचाया और यह रास शरद पूर्णिमा के दिन रचाया गया था इसलिए इसे पूर्णिमा रास भी कहा जाता है। इसके उपरान्त श्रीकृष्ण अकूर जी के साथ मथुरा आये और उन्होंने मथुरा में पाप उतारने के लिए कंस का वध किया। आचार्य श्री जुगल किशोर जी ने बताया कि कंस पाप का प्रतिमान स्वरूप है इसीलिए कंस वध के बाद ही मथुरा नगरी से पापों का बोझ उतरा।